सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 242 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 15 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बिलासपुर बुल्स ने सीसीपीएल सीजन -3 का खिताब जीता, रायगढ़ लायंस को 7 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के तीसरे संस्करण का खिताब बिलासपुर बुल्स ने जीत लिया है। शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में रविवार को खेले गए फइनल मुकाबले में बिलासपुर बुल्स ने रायगढ़ लॉयन्स को 7 विकेट से हराकर बिलासपुर बुल्स ने खिताब पर कब्जा किया है। शानदार गेंदबाजी के लिए भरत गोंडवानी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

इससे पहले बिलासपुर बुल्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। रायगढ लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 160 रनों का स्कोर बनाया। रायगढ लायंस की ओर से नयन चौहान ने 41 रन बनाये। उनके अतिरिक्त संगीत सोनी ने 32 रन, आलोक साहू ने 25 रन तथा दिपक यादव ने 22 रनों का योगदान दिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से भरत गोंडवानी ने 3 विकेट, वरुण सिंह भुई तथा मोहित राउत ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स ने शानदार खेल दिखाया। बिलासपुर बुल्स ने 16.3 ओवरों में 3 विकेट खोकर 164 बनाकर मैच जीत लिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से पवन परनाते ने 39 रन तथा विकल्प तिवारी ने नाबाद 39 रन तथा आयुष पांडे ने 33 रन बनाये। वहीं रायगढ लायंस की ओर से प्रवीण कुमार यादव तथा शुभम अग्रवाल ने 1-1 विकेट लिए।

खास-खबर

मृत पति के खाते से रुपए निकालने बैंक मैनेजर ने मांगी रिश्वत, सस्पेंड

बलौदाबाजार। जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की निपनिया ब्रांच का रिश्वत लेते वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर के निर्देश पर महिला मैनेजर अनिता पांडेय को सस्पेंड कर दिया गया है। महिला अपने मृत पति के खाते से पैसे निकलवाने आई थी तो मैनेजर ने 10 हजार रुपए मांगे थे लेकिन 5 हजार रुपए लेते हुए उनका वीडियो एक ग्रामीण ने बनाकर वायरल कर दिया था, जिसकी शिकायत पीड़ित महिला ने जनदर्शन में कलेक्टर से करते हुए सबूत सौंपा था। वहीं इस कार्रवाई के बीच भाटापारा विधायक इंद्र साव ने भी मैनेजर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए बताया कि पहले भी इसकी कई शिकायतें मिली थीं और एक साल पहले फोन पर बात करने पर इस महिला अधिकारी ने 'मैं बिहारी हूं' जो करना है कर लो' कहकर फोन काट दिया था।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन अंधड़-बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले पांच दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवा और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। वहीं, दक्षिण छत्तीसगढ़ (बस्तर संभाग) के कुछ इलाकों में अगले 4 से 5 दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून की एंट्री हो सकती है।मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ चलने और बिजली गिरने का ऑरेंज/येलो अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटों में भी दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दी गई है। एडवोकेट अनूप प्रकाश अवस्थी ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को यह पत्र भेजा है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में सीबीआई जैसी किसी बड़ी एजेंसी से स्वतंत्र जांच कराने की अपील की है। अर्जी में कहा गया है कि यह मामला करोड़ों लोगों की आस्था और भरोसे से जुड़ा है। दान के पैसों में गड़बड़ी की खबरों ने देश और विदेश के भक्तों को बहुत चिंतित कर दिया है।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

नईदिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी। पार्टी के डॉक्यूमेंट्स में पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। शेउली खुद को कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील बताती हैं। शेउली के पति उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। उत्तिया ने एक फेसबुक पोस्ट में बंगाल ष्टरू शुभेंदु अधिकारी के साथ फोटो भी शेयर की थी।

भिलाई में अवैध मदरसे पर चला बुलडोजर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेश के बाद निगम का एक्शन

- **नगर निगम भिलाई की बड़ी कार्रवाई, कई बार दिया गया था नोटिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की इंफोर्समेंट टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राधिका नगर में संचालित अवैध मदरसे को ढहा दिया है। सोमवार की सुबह निगम की टीम पूरे लाव लश्कर के साथ पहुंची और चंद घंटों में ही मदरसे को जमींदोज कर दिया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेश के बाद भिलाई निगम ने जिला प्रशासन और पुलिस बल के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए था।

मिली जानकारी के अनुसार राधिका नगर के जिस भूखंड पर अवैध कब्जा कर मदरसा बनाया गया था वह भूमि मूल रूप से जरूरतमंदों के लिए किफायती आवास बनाकर देने के लिए आरक्षित रखा गया था। उक्त भूखंड को कब्जामुक्त करने के लिए भिलाई निगम द्वारा लीगल तौर पर कई बार नोटिस भेजा गया। इसके बाद भी कब्जाधारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद भिलाई निगम की ओर से अवैध कब्जे को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई। इस मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए अवैध निर्माण को तुरंत हटाकर गरीबों के लिए आवास बनाने के निर्देश जारी कर दिया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भिलाई निगम की टीम ने सोमवार को अवैध कब्जा ढहा दिया।

एक किमी के दायरे में रोकी गई वाहनों की आवाजाही

कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जहां अवैध कब्जा हटाया जा रहा था वहां से एक किलोमीटर के दायरे में आम लोगों और वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। इसके बाद भी लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई थी। निगम की टीम ने लगभग तीन घंटे तक यहां कार्रवाई की। अवैध मदरसा ढहाने के बाद मौके पर मलबे का ढेर लग गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

बनेंगे पीएम आवास योजना के तहत मकान

अवैध मदरसा ढहाए जाने के बाद खाली जमीन पर अब गरीबों के लिए मकान बनाए जाएंगे। यहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना या राज्य सरकार की पुनर्वास योजना के तहत पक्के मकानों का निर्माण होगा। भिलाई निगम के आयुक्त राजीव पाण्डेय ने कहा है कि शहर में अवैध क्बजों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान भिलाई नगर की इंफोर्समेंट की टीम के साथ बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म करने पर राजी, 19 जून को दस्तखत

तेहरान ए.। अमेरिका और ईरान जंग खत्म करने के लिए शांति समझौते पर राजी हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के साथ समझौता हो गया है। ईरान ने भी बयान जारी किया कि अमेरिका के साथ कई महीनों की लंबी और मुश्किल बातचीत के बाद दोनों देशों ने सीजफायर के MoU को अंतिम रूप दे दिया है।

ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी तुरंत हटाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने लिखा, 'दुनिया के जहाजो, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को बहने दो।' इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल की बैठक होगी।

ईरान ने दस्तखत करने से पहले 3 शर्तें रखीं

ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते का पूरा दस्तावेज अभी जारी नहीं किया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि रूश्व पर हस्ताक्षर होने के बाद शुरू होने वाली 60 दिन की अमेरिका-ईरान की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका पहले अपने तीन वादे पूरे करता है या नहीं। गरीबाबादी के मुताबिक अमेरिका को तीन कदम उठाने होंगे। पहला नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना, दूसरा युद्ध और सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना और तीसरा ईरान के फ्रीज्ड फंड जारी करना।

नोएडा एयरपोर्ट के लिए जिन लोगों ने दी जमीन, उन्होंने भरी पहली उड़ान

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकास के लिए जिन ग्रामीणों की जमीन ली गई थी, वे सोमवार को एक ऐतिहासिक पल का हिस्सा बने। उन्होंने नए शुरू हुए एयरपोर्ट से लखनऊ जाने वाली पहली पैसेंजर फ्लाइट में उड़ान भरी। नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान सुबह 8:30 पर लखनऊ के लिए रवाना हुई इसमें एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले 170 किसान और कामगार गए, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं।

एक यात्री अबरार खान ने कहा, हम नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लखनऊ जाने वाली पहली फ्लाइट में सफर करके बहुत खुश और आभारी हैं। हमने जो सोचा था, वह आज हमारे सामने सच हो रहा है। खान ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री की तरफ से पहली फ्लाइट का हिस्सा बनने का न्योता मिला था। उन्होंने कहा कि यह सम्मान की बात है। पास के ही एक गांव की रहने वाली महिला हेरा रशीद ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा, हम पहली उड़ान का अनुभव करेंगे। यह हमारे लिए मुफ्त है।

जमीन विवाद में किसान की बेरहमी से हत्या, 8 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में कृषि भूमि विवाद को लेकर एक 60 वर्षीय किसान की हत्या कर दी गई। उसे लाठियों से पीटा गया और फिर ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। पुलिस ने सोमवार, 15 जून को बताया कि इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।

यह घटना रविवार 14 जून को बतौली थाना क्षेत्र के पथराई गांव में हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी बजरंग पैकरा पथराई गांव का निवासी है। मृतक किसान की पहचान सिलमा गांव निवासी होसराम पैकरा के रूप में हुई है। बजरंग पैकरा मृतक होसराम पैकरा का रिश्तेदार है। यह विवाद 6.30 एकड़ कृषि भूमि को लेकर था। विवादित 6.30 एकड़ कृषि भूमि कामेश्वरी नाम की एक नि:संतान महिला के स्वामित्व में थी। इस भूमि को लेकर दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस मामले में बतौली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

यूएस-ईरान समझौते पर बोले पीएम मोदी - इससे शांति आएगी और मुक्त परिवहन सुनिश्चित होगा

नईदिल्ली। पीएम मोदी ने अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के एलान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसका स्वागत किया और कहा कि उम्मीद है कि इससे दुनिया में स्थिरता आएगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा 'मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।'

पीएम मोदी की यह प्रतिक्रिया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौते पर सहमति बनने का एलान किया। ट्रंप ने बताया कि समझौते के तहत अमेरिका होर्मुज से अपनी नाकेबंदी को खत्म करेगा और ईरान भी जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा।

तालाब की सफाई के दौरान जलकुंभी में फंसे शख्स की मौत

- **कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र के छुरी स्थित गणेश तालाब में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। तालाब की सफाई के दौरान 50 वर्षीय श्यामलाल सारथी जलकुंभी में फंसकर गहरे पानी में डूब गया। इस हादसे में उसकी मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस और गोताखोरों ने शव निकाला।

पंचायत ने छुरी गणेश तालाब की सफाई का ठेका दिया था। श्यामलाल सारथी अपने 5 साथियों के साथ तालाब में सफाई करने उतरा था। सफाई के दौरान वह तालाब के बीच वाले हिस्से तक पहुंच गया। वहां घनी जलकुंभी और कीचड़ होने के कारण उसका पैर फिसल गया। श्यामलाल जलकुंभी में उलझ गया और गहरे पानी में समा गया।

साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन गहराई और फिसलन के कारण सफल नहीं हुए। हादसे के बाद साथियों ने ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और कोरबा से गोताखोरों को बुलाया गया। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने श्यामलाल का शव बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कटघोरा पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ठेकेदार और पंचायत कर्मियों से पूछताछ कर रही है। यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि सफाई के दौरान सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

दीप्ति शर्मा के 'पंजे' से पाकिस्तान चित 106 रनों पर ऑलआउट हो गई पूरी टीम

- **महिला टी20 विश्वकप में भारत का विजयी आगाज**

बर्मिंघम। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हरा दिया। रविवार को बर्मिंघम में खेले गए ग्रुप-1 मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को तेज शुरुआत मिली। भारत ने 18 रन तक दो विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों के बाद स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभाला। मंधाना ने 44 गेंदों पर 68 रन की शानदार पारी खेली। वहीं हरमनप्रीत ने 35 गेंदों पर 36 रन बनाए। इसके बाद ऋचा घोष ने तेज पारी खेलकर स्कोर 170 तक पहुंचाया।

171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में सिर्फ 10 रन देकर पांच विकेट झटके। उनके अलावा श्री चरणी ने चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिए।

संपादकीय

महंगा होता इलाज

गरीबों की हित-रक्षा वाली हो स्वास्थ्य नीति

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है। एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है। निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बहुत संभव है कि अमेरिका-ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर-गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे। दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है। दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

> “ दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।
> बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है।

बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है।

ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है। इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है। उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके। इसके अलावा, दवाइयों की कीमतों से जुड़ी नीतियों की समय-समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि वास्तव में दवाइयों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है।

शी के उत्तर कोरिया दौरे से सतर्क अमेरिका

पुष्परंजन

जिस परमाणु ताकत की आशंका को लेकर ट्रम्प ने ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ा, उत्तर कोरिया के मामले में चुप्पी है। ट्रम्प की हिम्मत नहीं, कि उत्तर कोरियाई लीडरशिप के विरुद्ध एक शब्द बोल दें। ट्रम्प उत्तर कोरिया के मुंहफट नेता से दूरी बनाये रखना चाहते हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने तेजी से अपना परमाणु शस्त्रागार बढ़ाया है।

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने चीनी राष्ट्रपति के दौरे को काफी कवरेज दिया, लेकिन दोनों देशों के बीच मिलिट्री सहयोग आदान-प्रदान बढ़ाने पर शी की बातों को शामिल नहीं किया। सोल में हंकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज़ में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर कांग जून-यंग ने कहा, कि शी की बातों से वाशिंगटन को यह संदेश मिला कि पेइचिंग ने 'मजबूती से एक मिलिट्री सहयोगी बना लिया है' प्रोफेसर कांग जून-यंग ने प्योंगयांग और मॉस्को के बीच 'बहुत ज़्यादा मिलिट्री नज़दीकी के प्रति सावधानी' का संकेत भी दिया। वाशिंगटन इस बार सतर्क है, मास्को की नज़र भी शी के आगमन पर थी।

चीन और उत्तर कोरिया के बीच मिलिट्री सहयोग बढ़ने की संभावना ऐसे समय में बनी है, जब प्योंगयांग अपने न्यूक्लियर और पारंपरिक हथियारों के प्रोग्राम को लगातार आगे बढ़ा रहा है। पिछले हफ्ते शी के दौरे की घोषणा से एक दिन पहले, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने हाल ही में न्यूक्लियर मटीरियल बनाने वाले एक नए प्लांट का दौरा किया, और न्यूक्लियर ताकत को तेज़ी से मजबूत करने का वादा देश से किया था।

जिस परमाणु ताकत की आशंका को लेकर ट्रम्प ने ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ा, उत्तर कोरिया के मामले में चुप्पी है। ट्रम्प की हिम्मत नहीं, कि उत्तर कोरियाई लीडरशिप के विरुद्ध एक शब्द बोल दें। ट्रम्प उत्तर कोरिया के मुंहफट नेता से दूरी बनाये रखना चाहते हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने तेजी से अपना परमाणु शस्त्रागार बढ़ाया है, और एक परमाणु-सम्पन्न राष्ट्र के रूप में खुद को स्थापित किया है। उत्तर कोरिया ने हमेशा चीन और रूस के बीच बराबर की दूरी बनाए रखने वाली कूटनीति अपनाई है, या दोनों के बीच संतुलन बनाकर चला है, इसलिए वह चीन के साथ ऐसे किसी भी मिलिट्री सहयोग को लेकर सतर्क है, जो 'रेड लाइन' को पार करता हो।

26 अप्रैल, 2026 को, उत्तर कोरिया ने 'विदेशी सैन्य अभियानों का स्मारक संग्रहालय' खोला। यह संग्रहालय उन सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक ऐसी 'आत्मघाती सैन्य नीति' की पुष्टि की है जिसके तहत रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल सैनिकों को पकड़े जाने से बचने के लिए युद्ध के मैदान में आत्महत्या करनी होगी। इसी साल फरवरी में, दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने खबर दी थी, कि रूस-यक्रेन युद्ध में 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए, या घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बताया, कि फरवरी, 2026 तक, रूस के अग्रिम मोर्चे वाले कुर्स्क ओब्लास्ट में लगभग 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक तैनात थे। इनमें से 10,000 लड़ाकू सैनिक थे, और 1,000 इंजीनियरिंग सेवा के सैनिक थे। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की ताकत रूस और चीन की वजह से है। उसी बूते वो गाहे-बगाहे ट्रम्प को ललकारते हैं, चुनांचे किम जोंग उन, पुतिन और शी दोनों से समान संतुलन बनाये रखना चाहते हैं। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी ने कहा, 'रूस में 6,000 सैनिकों के हताहत होने के बावजूद, उत्तर कोरियाई सेना ने युद्ध के मैदान में आधुनिक युद्ध-कौशल और डेटा हासिल करने के साथ-साथ रूस की तकनीकी मदद से अपने हथियार प्रणालियों को अपग्रेड करने में सफलता पाई है।' एजेंसी ने यह भी बताया, कि प्योंगयांग ने एक नया यूएवी ड्रोन विभाग बनाया है, और वह ऐसे सिस्टम को स्थापित करने पर काम कर रहा है, जो ड्रोन विकसित करने और उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में सक्षम हो।

लेकिन, क्या उत्तर कोरिया यह सार्वजानिक रूप से स्वीकार करेगा, कि उसके ड्रोन का इस्तेमाल ईरान कर रहा है? प्योंगयांग द्वारा अपने ड्रोन का ईरान द्वारा इस्तेमाल किए जाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने की संभावना बहुत कम है। उत्तर कोरिया की नीति हमेशा हथियारों के गुप्त व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने की रही है। इसके बजाय, वे इस तरह के मामलों में रणनीतिक अस्पष्टता बनाए रखना पसंद करते हैं। विशेषज्ञों का यह मानना है कि उत्तर कोरिया और ईरान के बीच ड्रोन और मिसाइल तकनीक का गहरा आदान-प्रदान रहा है। कई उत्तर कोरियाई ड्रोन, ईरान के शाहेद सीरीज के ड्रोन्स से काफी मिलते-जुलते हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दोनों पक्षों को 'कूटनीति, कानून प्रवर्तन और सैन्य मामलों में आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए'। दोनों पक्षों द्वारा रणनीतिक बातचीत को मजबूत करने के वादों के बावजूद, बैठक के बाद जारी बयानों में कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु-निरस्त्रीकरण का कोई जिक्र नहीं था, जो 2019 में शी की पिछली यात्रा से बिल्कुल अलग बात है। अपनी पिछली मुलाकातों से अलग, इस बार शी और किम के साथ उनके रक्षा मंत्री, डोंग जून और नो क्वांग-चोल भी थे। 1992 के बाद यह पहली बार है, जब चीन के रक्षा मंत्री, चीनी राष्ट्रपति के साथ उत्तर कोरिया गए।

यह भी पहली बार है, जब चीन के किसी सीनियर रक्षा अधिकारी ने उत्तर कोरिया का दौरा किया है; इससे पहले 2019 में चीनी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पॉलिटिकल वर्क डिपार्टमेंट के तत्कालीन डायरेक्टर मियाओ हुआ ने वहां का दौरा किया था। हालांकि, खबरों के मुताबिक पिछले साल अक्तूबर में छह साल में पहली बार चीन का एक मिलिट्री डेलिगेशन उत्तर कोरिया गया था, लेकिन उस डेलिगेशन के स्तर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। इस हफ्ते मिलिट्री मामलों को जो अहमियत दी गई, वह आर्थिक और कूटनीतिक मामलों जैसी पारंपरिक प्राथमिकताओं के अलावा थी।

शी के आने से एक दिन पहले- किम की बहन किम यो-जोंग ने कहा कि परमाणु शक्ति के तौर पर उत्तर कोरिया का दर्जा एक 'पक्की और कभी न बदलने वाली हकीकत' है, और अमेरिका जैसी 'दुश्मन ताकतों' को 'परमाणु हथियार खत्म करने की अपनी गलतफहमी छोड़ देनी चाहिए'। शी के आने से पहले उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया 'रोडोंग सिनमुन' में छपे एक लेख में, उन्होंने वर्चस्ववाद और ताकत की राजनीति, और ऐसी सभी महत्वाकांक्षाओं और साजिशों का विरोध करने पर ज़ोर दिया, जो सैन्यवाद को फिर से जिंदा करना चाहती हैं, और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालती हैं। हैरत की बात है, कि उस आलेख में परमाणु हथियार खत्म करने (डीन्यूक्लियराइजेशन) का कोई ज़िक्र नहीं था। एक सच तो है, कि अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया और जापान के साथ गठबंधन मजबूत करने के जवाब में चीन, परमाणु संपन्न उत्तर कोरिया को अपने प्रभाव में ला रहा है!

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

मानवता ने चुकाई महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। सदियों से महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा का खमियाजा वे लोग भुगतते हैं, जिनकी युद्ध में कोई भूमिका नहीं होती।

पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध? के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति शृंखला को नुकसान हुआ। दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ। लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही।

पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है। साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है। यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ। वास्तव में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था। अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई।

इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था।

दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं। अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है। इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है।

आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध? के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो चुका है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे।

ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं। यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे। इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था।

विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था।

ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है। किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो। तभी विश्व की आपूर्ति शृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान और कतर के बैक-चैनल प्रयास तक अमेरिका-ईरान टकराव का समाधान समय रहते खत्म कर पाये। जिससे काफी समय तक सीमित युद्ध और होर्मुज नाकाबंदी जारी रही। जिसके कारण दुनिया आर्थिक संकट, महंगे ईंधन और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याओं का सामना करती रही। परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बढ़ती रही । वहीं दूसरी ओर आशंका जतायी जा रही है कि इस्राइल-हिज्बुल्लाह की झड़पें लेबनान में बड़े युद्ध का रूप ले सकती हैं। जिसका ईरान लगातार विरोध करता रहा है। यह मुद्दा भी समझौते होने में बाधक बना रहा है।

युद्ध के चलते स्थिति इतनी गंभीर है कि 14 देशों का एयरस्पेस बंद हो गया है, हजारों उड़ानें रद्द या डाइवर्ट हुई हैं, और ईंधन की कीमतें 130 प्रतिशत बढ़ गई हैं। खाड़ी और भारत के यात्रा रूट पर टिकटों की कीमतें भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। आर्थिक संकट आम आदमी की जीवनशैली पर भारी पड़ रहा है और विकास के लक्ष्य बेअसर हो रहे हैं। इस बीच, हथियार व्यापार और युद्धरत देशों की राजनीति मानवता और शांति के मूल्यों को भूलती नजर आ रही है। इस समय शांति और अहिंसा के संदेश कोरे भाषण लगने लगे हैं।

लेखक साहित्यकार हैं।

सोलर मैन के अभियान से जुड़ी समाधान की उम्मीदें

डॉ. प्रदीप कुमार रॉय

जलवायु संकट यानी पृथ्वी के निरंतर तेजी से बढ़ते तापमान से राहत तभी संभव है जब हम अपनी जीवनशैली बदलें। प्रो. चेतन सोलंकी आईआईटी की नौकरी व घर-बार छोड़कर इसी को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया है। जगह-जगह लोगों को ज्यादा उपभोग छोड़ सीमित साधनों में जीने की शपथ दिला रहे हैं।

गर्मी तपा रही है, झुलसा रही है। ऐसा क्या धरती में आग लगी है। इस असहनीय तपिश में लोग ये चर्चा करते सुने जाते हैं। प्रो. चेतन सोलंकी कहते हैं कि धरती को बुखार आया है। और धरती का यह बुखार अगर न उतरा, तो हम सब भी नहीं बचेंगे। यह ज्वर उतारने के लिए हर व्यक्ति को एक दवा का काम करना होगा। कौन है प्रो. सोलंकी? वही योगी जिन्होंने जलवायु संकट समाधान पर काम करने के लिए आईआईटी की नौकरी छोड़ दी और 11 साल के लिए घर छोड़ दिया। सफेद धोती व कमीज पहनकर वे मैदान में जुट चुके हैं, पूरे भारत को समाधान की शिक्षा दे रहे हैं।

जब दुनिया जलवायु संकट को लेकर सम्मेलनों, घोषणाओं और वादों में उलझी हुई है, तब भारत में क्लाइमेट सत्याग्रही प्रो. सोलंकी इसे सम्मेलनों से बाहर निकालकर लोगों के बीच ले आया है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को केवल विचार या शोध का विषय नहीं रहने दिया; बल्कि जीवन-व्रत बना लिया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित शोधकर्ता का सम्मान पाकर 'सोलर मैन' कहलाए सोलंकी ने कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए उनका रिसर्च का योगदान काफी नहीं बल्कि लोगों के बीच जाना होगा। इस निर्णय के साथ आईआईटी मुम्बई की शानदार नौकरी से इस्तीफा ही नहीं दिया बल्कि 11 साल तक घर छोड़कर करोड़ों लोगों को जलवायु संकट समाधान का हिस्सा बनाने सड़कों पर निकल चुके हैं। प्रो. सोलंकी के इस कदम ने भारत में जलवायु संकट समाधान की कई उम्मीदें जगाई हैं। 2020 से संचालित उनकी ऊर्जा स्वराज यात्रा इस सिद्धांत पर केंद्रित है कि सीमित धरती पर असीमित उपभोग कतई संभव नहीं। इसका समाधान तब निकलेगा जब लोग अतिशय उपभोग की लालसा से बाहर आएं।

चेतन सोलंकी का जन्म साल 1975 में मध्यप्रदेश के गांव नेमित में हुआ। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की। किसी ने सोचा न था कि ये प्रतिभा यूरोप की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से पीएचडी करेगी। वे आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर बने और सौर ऊर्जा पर महत्वपूर्ण शोध के कारण 'सोलर मैन' कहलाए।

जलवायु संकट की गंभीरता को देखते हुए साल 2020 में उन्होंने आईआईटी से अवकाश लेकर घर छोड़ दिया और 'एनर्जी स्वराज यात्रा' शुरू की। सोलर ऊर्जा से युक्त एक बस उन्होंने तैयार की। उसमें ही वे देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। रहना , नहाना और खाना भी इसी में होता है। हर चीज का कम से कम खर्च। कुछ बरस देश में यात्राएं कर उन्हें लगा कि अब उन्हें आईआईटी की नौकरी भी छोड़ देनी चाहिए और उस फैसले को तुरंत अमली जामा पहनाकर शिद्दत से इस अभियान में जुट गए। उन्होंने बीती 13 मई को दिल्ली के राजघाट से 'क्लाइमेट सत्याग्रह' शुरू किया जो 100 दिन देश के विभिन्न हिस्सों में चलेगा। वे जगह-जगह जाकर लोगों को प्रशिक्षण देते हैं। उनकी क्लास अब आईआईटी से बाहर निकल जनसाधारण के बीच आ गई है।

प्रो् सोलंकी के मुताबिक, जलवायु संकट के कारणों और समाधान दोनों की जिम्मेदारी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। पर्यावरण बचाने के लिए हमें अपनी उपभोग की आदतें बदलनी होंगी, जैसे अनावश्यक खरीदारी व ज्यादा यात्रा की लालसा छोड़नी होगी। यह अभियान पारंपरिक पर्यावरण आंदोलनों से अलग है, क्योंकि इसमें पेड़ लगाना या विरोध प्रदर्शन से ज्यादा ध्यान जीवनशैली में बदलाव पर है। अभियान का केंद्रीय बिंदु है कि अगर लोगों ने अनावश्यक उपभोग पर काबू पा लिया, तभी पृथ्वी के बचने का रास्ता निकलेगा।

'सोलर मैन' हर रोज लोगों को शपथ दिलाते हैं कि अगले एक साल तक नये कपड़े नहीं खरीदेंगे। शपथ लेने वाले बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं, पर सवाल भी करते हैं कि अगर लोगों ने खरीदारी कम की तो अर्थव्यवस्था का क्या होगा? सौलंकी जवाब देते हैं कि जब पृथ्वी के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा, लोगों के जीवन की क्वालिटी ही न रहेगी, फिर क्या अकेली अर्थव्यवस्था बच जाएगी। वो लोगों को मॉडल समझाते हैं कि संसार उपभोग के शिखर पर जा बैठा, अगर इसे कुछ कम किया तो कोई दिक्कत नहीं आएगी। अति उत्पादन और अति उपभोग का मॉडल ज्यादा दिन चलने वाला नहीं। पृथ्वी ने सहने से हाथ ही खड़े कर दिए, फिर क्या दूसरी पृथ्वी का निर्माण करोगे? साइंस और मनुष्य की आकांक्षाएं बढ़ सकती हैं, पर पृथ्वी नहीं बढ़ेगी। उन्होंने एक व्यंग्यात्मक वीडियो जारी किया है—'बेचारे पेड़'। जिसका संदेश है कि हम मनुष्य पर्यावरण पर पूरा अनाचार करेंगे और उसके बाद उम्मीद रखेंगे कि हमें पेड़ बचाएंगे। ऐसा संभव नहीं।

अपने सभी तर्कों को प्रो. सोलंकी ने अपनी किताब 'क्लाइमेट चेंज 2100 : सरवाइव ऑर थ्राइव' में एक लड़ी में पिरोकर लोगों के सामने रख दिया है। उनकी पुस्तक में जिक्र है- लोग उनसे अकसर पूछते हैं कि जलवायु आपदा पर काम करने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली—इस पर उनका जवाब होता है कि जब शेर सामने नजर आ जाए तो भागने के लिए किसी से प्रेरणा लेनी होती है क्या? मनुष्य स्वाभाविक ही भाग लेता है।

उल्लेखनीय है, प्रोफेशनल वॉलन्टियर्स की एक टीम उनके लिए काम कर रही है जो विभिन्न राज्यों में लोगों को सीमित उपभोग की शपथ दिला रही है।

दरअसल, सोलर मैन के प्रयासों से देश में क्लाइमेट सत्याग्रह नई चेतना पैदा करेगा। जबकि इसके ठोस परिणाम लोगों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर होंगे। यदि व्यापक जनभागीदारी हो गई, तो शायद भारत ही नहीं अन्य देशों में मनुष्य जाति समझ पाए कि हम अतिशय उपभोग के बोझ तले दबे हैं।

महंगाई के दौर में देखो कितनी सस्ताई

सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए।

इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए।

अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों-अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार-पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता।

लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ-पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं। ले लो कोई भी ले लो, ममता दीदी को छोड़कर। सस्ताई की हालत तो यह है जनाब कि एक रुपये की टॉफी से भी सफल कूटनीति की जा सकती है। इसके लिए करोड़ों रुपये फूंकने की कतई ही जरूरत नहीं। बस शर्त यही है कि वह टॉफी मैलोडी हो और सामने मैलोनी हों। बल्कि इधर तो शिक्षक भी कौड़ियों के भाव मिलने लगे हैं। और शिक्षक भी कौन एकदम स्टार शिक्षक-आईएएस और आईपीएस बनाने वाले। जी यह बात कुछ पत्रकारों ने बताई। जाहिर है यह राज खोलने वाले पत्रकार भी कोई छोटे-मोटे स्टार नहीं है। इस पर शिक्षकों ने पलटकर पत्रकारों से कहा कि अगर हम कौड़ी के हैं तो तुम फूटी कौड़ी के हो। हालांकि, वे एक-दूसरे पर मुकदमे करोड़ों की मानहानि के ही कर रहे हैं। पर सस्ताई तो है न जी। नहीं?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

वैशाली नगर में पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस शिविर 17 से, अनुभवी गुरुओं का मिलेगा मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर वैशाली नगर के 'लोकांगन' मैदान में पांच दिवसीय भव्य योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर आगामी 17 जून से 21 जून तक प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक संचालित किया जाएगा।

मुख्य आयोजक वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और वार्ड–20 की पार्षद स्मिता दोड़के हैं। प्रमुख संयोजक अनूप बंसल, नरेंद्र पटेल, शंभू कुशवाहा, राजेंद्र पाटिल और तीज राम साहू ने बताया कि यह गरिमामयी आयोजन योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में समाज को स्वास्थ्य और सजगता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

प्रमुख संयोजक अनूप बंसल ने बताया कि शिविर में अनुभवी योग गुरुओं का मार्गदर्शन मिलेगा। जिसमें भारत स्वाभिमान न्यास और योग समिति के वरिष्ठ व राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणित योग गुरु उपस्थित रहेंगे। यहां शिक्षकों द्वारा प्राणायाम, यौगिक जॉगिंग, आसन और ध्यान का क्रमबद्ध वैज्ञानिक अभ्यास कराया जाएगा। आज की व्यस्त जीवनशैली से उत्पन्न होने वाली व्याधियों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मानसिक तनाव और मोटापे से मुक्ति व प्रबंधन के लिए विशेष परामर्श और यौगिक क्रियाएं सिखाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य जागरूकता के इस महाभियान में समाज के सभी वर्गों के लिए प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क रखा गया है। आयोजकों ने शिविर में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया है कि वे अपने साथ योग मैट, दरी या आसन अवश्य लाएं तथा अभ्यास हेतु आरामदायक/ सूती वस्त्र पहनकर पहुंचे।

प्रमुख खबरें

इंस्पेक्टर लक्ष्मण को शौर्य चक्र मिलने पर किया सम्मान

दुर्ग। थाना पाखंजूर, जिला कांकेर में पदस्थ थाना प्रभारी लक्ष्मण केंवट को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शौर्य चक्र प्रदान किये जाने पर निषाद समाज और स्थानीय लोगों में खुशी व गर्व का माहौल है। लक्ष्मण केंवट को पहले भी छह से अधिक बार राष्ट्रपति सम्मान मिल चुका है। दुर्ग जिला निषाद समाज के पदाधिकारियों ने उनके निवास पर पहुंचकर उनका सम्मान किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष बुधारु राम निषाद, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री कोमल देव निषाद, आनंद निषाद, जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष बिरेंद्र कुमार निषाद, चोवा राम, विनोद, डेरहा राम, दशरथ, नारद पारकर, नीलू, ओमप्रकाश, मनीष निषाद आदि उपस्थित थे।

सांसद निधि से बने फुटबॉल ग्राउंड चेंजिंग रूम का लोकार्पण

भिलाई। सांसद विजय बघेल ने भिलाई के हॉस्पिटल सेक्टर स्थित यूथ खेल और सांस्कृतिक समिति के फुटबॉल मैदान में सांसद निधि से बने नए चेंजिंग रूम का लोकार्पण किया। समिति ने बताया कि लंबे समय से खिलाड़ियों को कपड़े बदलने और अभ्यास–मैच के दौरान आवश्यक सुविधाओं के लिए उपयुक्त कक्ष की जरूरत थी, जिसे अब पूरा किया गया है। समिति अध्यक्ष जयंत वर्मा ने कहा कि इस निर्माण से खिलाड़ियों को बेहतर व्यवस्था मिलेगी और मैदान में आयोजनों के संचालन में भी सुविधा होगी। कोच सुमन नाथ सहित पदाधिकारियों और खिलाड़ियों की उपस्थिति रही।

दिशा ने वृद्धाश्रमों में बारिश से पहले बांटा स्वच्छता किट

भिलाई। मानसून से पहले सामाजिक संस्था दिशा ने पुलगांव, दुर्ग और भिलाई के सेक्टर–8 व सेक्टर–2 स्थित वृद्धाश्रमों तथा सेक्टर–3 में मानसिक रूप से विशेष जरूरत वाले लोगों के आश्रय स्थल फील परमार्थम फाउंडेशन में स्वच्छता सामग्री और फल वितरित किए। संस्था ने फिनायल, डिटर्जेंट, लिक्विड सोप और अन्य जरूरी वस्तुओं की किट उपलब्ध कराई।

यूटीडी प्रवेश परीक्षा के आवेदन 16 जून से, परीक्षा अगले माह

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। यह प्रवेश परीक्षा एमएससी गणित, भौतिकी, रसायनशास्त्र, वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ट्रैफिक पुलिसिंग की प्रयोगशाला बना सुपेला चौक, नौ दिन चले अढ़ाई कोस

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शहर के तीन प्रमुख चौराहे ट्रैफिक पुलिस के लिए खासा सिरदर्द बने हुए हैं। यहां हर महीने दो महीने में कोई नया प्रयोग किया जाता है और फिर प्रयोग फेल होने पर पुरानी व्यवस्था दोबारा लागू कर दी जाती है। फिलहाल पूरा फोकस सुपेला और नेहरू नगर चौक पर है। सुपेला चौक में हाल में किये गये प्रयोग फेल रहे हैं।

लोगों को मालूम ही होगा कि लगभग दो सप्ताह पहले आकाशगंगा और दक्षिण गंगोत्री के बीच की सड़क कट को लोहे का बैरीकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। इससे टाउन शिप की तरफ से आने वालों के लिए आकाशगंगा जाना मुश्किल हो गया था तो वहीं आकाशगंगा या पावर हाउस की तरफ से दक्षिण गंगोत्री जाने का मार्ग बंद हो गया था। लगभग एक सप्ताह तक यह व्यवस्था बनाए रखने के बाद यातायात पुलिस को मजबूरन कट को फिर से खोलना पड़ा।

चौक पर यातायात का प्रबंधन नहीं

सुपेला चौक पर ट्रैफिक सिग्नल भी और यातायात पुलिस की तैनाती भी। पर यहां कोई किसी की नहीं सुनता। चौक का दक्षिण पश्चिम कोना सवारी भरने वालों के हवाले है। ये जहां चाहें वहां पार्किंग के लिए स्वतंत्र हैं। सवारी भरने वाले चौक भर में दौड़ते रहते हैं। चौक के पूर्वी छोर पर तैनात पुलिस कर्मी अकसर गपोड़बाजी में ही उलझे रहते हैं।

नेहरू नगर चौक पर जाम

राजमार्ग पर स्थित एक और चौराहा है नेहरू नगर का। यहां रेलवे अंडरब्रिज भी और ऊपर से फ्लाईओवर भी। रायपुर की तरफ से आकर नेहरू नगर की तरफ जाने वालों के लिए यह चौक एक कठिन परीक्षा जैसा है। सुबह–शाम यहां सड़क पर ट्रकों का रेला लगा रहता है। इन्हें जाना तो सीधा होता है ये खड़े दाहिने लेन में होते हैं। लिहाजा कार, स्कूटर और बाइक वाले गिरते पड़ते सड़क से नीचे उतरकर घूम कर चौक के दक्षिण में जाने विवश होते हैं। यहां कैरिज वे और सर्विस रोड का लेवल अलग अलग है जिसके कारण सड़क से उतरना काफी जोखिम पूर्ण होता है। पर लोग बेबस हैं और ट्रैफिक पुलिस लाचार।

बाजार क्षेत्र की वर्षों से लंबित समस्याओं का होगा समाधान

- जलभराव और आवागमन की समस्या से मिलेगी राहत
- महापौर एवं सभापति कराया 82 लाख के कार्यों का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के बाजार क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 82 लाख रुपये से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

महापौर अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद एवं सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, सांस्कृतिक विभाग प्रभारी एवं वार्ड क्रमांक 31 की पार्षद हर्षिका संभव जैन सहित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में आरसीसी सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया।

भूमिपूजन के अंतर्गत वार्ड 30 में तेजपाल के निवास से डिसेंट सैलून तक 25 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण तथा तमेंरपारा के विभिन्न स्थानों पर 17 लाख रुपये की लागत से नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य किए जाएंगे। वार्ड 31 में सिंडिकेट बैंक से स्वाध्याय भवन एवं सिद्धार्थ नगर बस्ती तक 12 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण, आपापूरा से आबकारी कार्यालय, रजा खोखर कार्यालय, गवलीपारा होते हुए वर्धमान स्थापक भवन तक 15 लाख की लागत से आरसीसी सड़क निर्माण तथा हनुमान नाला से गुप्ता कॉम्प्लेक्स तक 13 लाख की लागत से नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय–सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

लंबे समय से जल निकासी एवं आवागमन की समस्याओं से जूझ रहे लोगों ने विकास कार्यों की स्वीकृति और शुभारंभ पर महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, संभव जैन, रजा खोखर सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोहका पानी टंकी से बेकार बह रहा प्रतिदिन हजारों लिटर पानी, पांच साल में निगम नहीं करा पाया ठीक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। एक तरफ शांति नगर कॉलोनी के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं जबकि वहीं कोहका टंकी से प्रतिदिन हजारों लिटर पानी बेकार में बहकर बर्बाद हो रहा है।

भाजपा नेता शारदा गुप्ता ने बताया कि जब पानी टंकी में चढ़ता है तो लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी नालियों में व्यर्थ बह रहा है। यह शिकायत जब से टंकी बनी है तब से लगभग 5 वर्षों से बनी हुई है।

स्थानीय समाजसेवी टिकेंद्र कुमार एवं रमेश देशमुख ने बताया कि लंबे समय से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है, लेकिन निगम प्रशासन द्वारा समय पर मरम्मत नहीं कराई जा रही है, जिससे बहुमूल्य जल संसाधन व्यर्थ बह रहा है।

शारदा गुप्ता ने नगर निगम से तत्काल मरम्मत कार्य कराने तथा जल संरक्षण के प्रति गंभीरता दिखाने की मांग की है। उन्होंने इसकी शिकायत तत्काल भिलाई नगर निगम कमिश्नर से की।

बौछारों से लुढ़का पारा, अभी 1-2 डिग्री और गिरेगा

भिलाई। ट्विनसिटी में दिनभर तेज धूप के बाद रविवार शाम को पड़ी तेज बौछार से गर्मी से राहत जरूरी मिली, लेकिन उमस ने परेशान किया। वहीं देर रात गर्मी से कुछ हद तक राहत मिली। रविवार को ट्विनसिटी का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग की पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। मंगलवार से अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है।

मामूली बुखार के मरीज को बता दिया किडनी खराब

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। मामूली बुखार की शिकायत लेकर सदर अस्पताल पहुंची एक बालिका को भयंकर किडनी लिवर डिजीज बताकर मेकाहारा रिफर करने का मामला सामने आया है। पीड़िता आलिया खान नीट की तैयारी कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस के सचिव अय्यूब खान ने इस मामले की शिकायत सिविल सर्जन डॉ मिंज से करते हुए आरोपी चिकित्सक पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। खान ने कहा कि छात्रा को बाद में चंदूलाल अस्पताल ले जाया गया जहां मामूली बुखार के लिए उसका इलाज किया गया और अब वह बिल्कुल ठीक है।

खान ने कहा कि जब सदर अस्पताल के डाक्टरों ने उसे किडनी और लिवर खराब होने की जानकारी दी तो वह घबरा गई। परिजन भी घबरा गए। जबकि ऐसी कोई बात थी ही नहीं। डाक्टर ने बिना कोई जांच किए केवल बला टालने के लिए मरीज को रिफर कर दिया था। यह गंभीर कदाचरण का मामला है।

प्रतिदिन एक अच्छा काम करो

स्काउट गाइड के सदस्यों का चार माह से जारी शीतल जल प्याऊ सेवा का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जिला संघ भिलाई स्काउट गाइड की ओर से 'प्रतिदिन एक अच्छा काम करो' के नेक विचार के साथ शुरू किये गये प्याऊ घर का समापन भिलाई विद्यालय सेक्टर–2 में किया गया।

स्कूली बच्चों द्वारा विगत चार माह से राहगीरों को शीतल जल पिलाने सेवा का कार्य किया गया। ज्ञातव्य है कि जिला संघ भिलाई स्काउट गाइड की ओर वर्ष भर तरह–तरह की गतिविधियां संचालित की जाती है। जिसमें पर्यावरण सुरक्षा, प्रदूषण की रोकथाम, महापुरुषों की जयंती इत्यादि शामिल है। इसी तारतम्य में विगत कई वर्षो से शुरू किए गये सेवा कार्य के तहत भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए शीतल जल की व्यवस्था भिलाई विद्यालय सेक्टर–2 के मुख्य द्वार में की गई। यह प्याउ नियमित रूप से चलता रहा।

12 जून को इस जलसेवा के पुनीत कार्य का समापन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग से (महाप्रबंधक) शिक्षा एवं जिला मुख्य आयुक्त शिखा दुबे, श्रीमती विभारानी कटिहार उप प्रबंधक, जिला आयुक्त स्काउट एवं प्राचार्य भिलाई विद्यालय विजय सिंह पवार, जिला आयुक्त गाइड एवं प्राचार्य सुमिता सरकार, रुबी बर्मन राय प्राचार्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर–7, ओसी कीर्तिलता देशमुख, सत्यनारायण साहू, डॉ. शीतल चंद्र शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, डीके साहू, पवन अग्रवाल, भिलाई विद्यालय से सजीता राजेश, श्रीमती सविता धपवाल, वंदना सोनवाने, रजनी रजक, सतीश मिश्रा एवं प्रधान पाठक पीआर साहू सहित भिलाई स्काउट–गाइड के समस्त पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्काउट और गाइड शामिल हुए।

कल्याण कालेज के एलुमनी मीट में ताजा हुई यादें, स्मारिका विमोचित

भिलाई। कल्याण महाविद्यालय के एलुमनी मीट में पुरानी यादों का स्मरण किया गया। इस दौरान अतिथियों के हाथों पत्रिका का विमोचन किया गया।

हिंदी डिजिटल कक्ष में वनस्पति शास्त्र विभाग के द्वारा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें भूतपूर्व छात्र–छात्राओं का मिलन समारोह हुआ। इसके अलावा वार्षिक समाचार पत्रिका एवं टीचिंग लर्निंग संसाधन का भी विमोचन अतिथियों के हाथों किया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा, वनस्पति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जेके तिवारी, डॉ संगीता शर्मा व अन्य उपस्थित रहे। विज्ञान संकाय के मुखिया और वनस्पति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. गुणवंत चंद्रौल, सहायक प्राध्यापक प्रियंका साहू, मनमीता सिंह राजपूत, गुलेश्वरी साहू, अनिल कुमार खरे, कर्मचारी व अन्य की विशेष भूमिका रही।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

ग्रामीण शिक्षा को मिलेगी नई उड़ान, तोलमा में बनेगा हायर सेकेंडरी स्कूल भवन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में ग्रामीण एवं खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से विकासखंड लैलूंगा के ग्राम पंचायत तोलमा में नवीन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण के लिए 77.32 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस नए विद्यालय भवन के निर्माण से तोलमा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर और अधिक सुलभ होंगे। यह परियोजना डीएमएफ ट्रस्ट की शासी परिषद की 11 मई 2026 को आयोजित बैठक में स्वीकृत की गई थी। इसके बाद 27 मई को तकनीकी स्वीकृति और 2 जून 2026 को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई।

जशपुर जिले में 2.68 लाख से अधिक राशन कार्डधारियों को मिल रहा खाद्य सुरक्षा का लाभ

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के जरूरतमंद नागरिकों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा किसानों को समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में इन योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 497 उचित मूल्य दुकानें संचालित हैं, जहां ई-पॉस मशीनों के माध्यम से आधार आधारित खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। राशन कार्ड से लिंक आधार संख्या के आधार पर पात्र हितग्राहियों को पारदर्शी एवं सुगम तरीके से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मानवीय संवेदना के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दें : सीईओ नंदनवार

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार ने जिले के दूरस्थ अंचलों में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने तथा मानसून पूर्व महामारी से बचाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सरायपाली एवं बसना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ नंदनवार ने स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को मानवीय संवेदना के साथ त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, गैर-संचारी रोग कार्यक्रम में तेजी लाने तथा पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी, संपूर्ण उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिल सके। सीईओ नंदनवार ने आगामी 28 जून को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

बस्तर देश का सबसे सुंदर और विकसित आदिवासी संभाग बनेगा : मुख्यमंत्री

बस्तर के आर्थिक विकास और लघु वनोपजों के समुचित उपयोग के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नक्सलवाद का दंश झेलते-झेलते बस्तर चार दशकों तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहा, लेकिन अब नक्सलवाद की समाप्ति के साथ केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से बस्तर को देश का सबसे सुंदर और विकसित आदिवासी संभाग बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित 'तेरा राज नहीं आएगा रे' पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. शशांक शर्मा, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गया था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं और एक नए, विकसित तथा समृद्ध बस्तर के निर्माण का अवसर प्राप्त हुआ है। राज्य सरकार लगातार ऐसे प्रयास कर रही है, जिनसे आमजन को मूलभूत सुविधाओं सहित सभी आवश्यक सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन पूर्व ही यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण किए हैं।

उनके नेतृत्व में देश ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में मिली सफलता भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इस चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना किया गया।

उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व समाज में विश्वास और उत्साह का संचार करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में माओवाद के विरुद्ध सामूहिक संकल्प विकसित हुआ। सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा, आम जनता खुलकर माओवाद के विरोध में सामने आई और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। इस संघर्ष में लेखकों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह बस्तर आए थे, जहां उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात कर उनके योगदान की सराहना की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राजीव रंजन प्रसाद और सुश्री रचना नायडू ने यह पुस्तक ऐसे समय में लिखी है, जब माओवाद की समाप्ति हो चुकी है। इस दृष्टि से यह पुस्तक और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समय के साथ स्मृतियां धुंधली हो जाती हैं और घाव भरने लगते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि माओवाद के कठिन दौर और उससे मुक्ति के संघर्ष को दस्तावेज़ी रूप में सुरक्षित रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उससे सीख सकें।

उन्होंने कहा कि जब भावी पीढ़ियां इस विषय पर लिखी पुस्तकों को पढ़ेंगी, तब उन्हें यह समझने का अवसर मिलेगा कि माओवाद से मुक्ति के लिए समाज और सुरक्षा बलों ने कितना कठिन संघर्ष किया तथा कितने जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह पुस्तक उन्हें यह भी बताएगी कि हिंसा किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती और लोगों का विश्वास केवल संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर ही जीता जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि लेखकों ने अत्यंत गंभीर और व्यापक शोध किया है। उन्होंने बस्तर समाज के विभिन्न वर्गों, आत्मसमर्पित नक्सलियों तथा नक्सलवाद को निकट से देखने और झेलने वाले लोगों से संवाद कर महत्वपूर्ण तथ्यों का संकलन किया है। पुस्तक यह उजागर करती है कि किस प्रकार माओवादी नेतृत्व ने अपने कैडर का विस्तार किया और अनेक परिवारों पर संगठन में सदस्य भेजने का दबाव बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लेखकों ने अपने शोध में जिन पूर्व नक्सलियों से बातचीत की, उनमें लगभग 80 प्रतिशत लोग अशिक्षित या केवल पांचवीं कक्षा तक शिक्षित पाए गए। जिस आयु में उनके हाथों में कलम होनी चाहिए थी, उस आयु में उन्हें हथियार थमा दिए गए। माओवाद ने एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा से वंचित रखा, उन्हें परिवार और समाज से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि श्री राजीव रंजन प्रसाद ने बस्तर पर पहले भी कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें माओवाद का वास्तविक चेहरा उजागर करने के साथ-साथ बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति का भी प्रभावी चित्रण किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अब बस्तर के नवनिर्माण का समय है। राज्य सरकार 'बस्तर रोडमैप 2.0' के माध्यम से योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। नियद नेल्ला नार योजना और बस्तर मुन्ने अभियान के जरिए शासकीय योजनाओं का लाभ सैचुरेशन मोड में लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। जहां पहले सुरक्षा कैंप स्थापित थे, वहां अब सेवा डेरे विकसित किए जा रहे हैं, जो शासकीय सेवाओं, कौशल विकास और उद्यमिता के केंद्र बनेंगे।

विजय शर्मा ने कहा - माओवाद पेट से नहीं, दिमाग से आया था

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि माओवाद किसी आर्थिक आवश्यकता से नहीं, बल्कि एक विचारधारा के रूप में आया था। इसका उद्देश्य बंदूक की नली के बल पर सत्ता स्थापित करना था। उन्होंने कहा कि आज वे बंदूकें वापस रखवाई जा चुकी हैं और समाज सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। इस दौरान उन्होंने बाबा नागार्जुन की कविता का उल्लेख भी किया। श्री शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद बस्तर में मेलों, मड़इयों और साप्ताहिक बाजारों में फिर से रौनक लौट आई है। देवगुड़ियों में पूजा-पाठ पुनः प्रारंभ हो गया है। राज्य सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के लिए बेहतर पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है तथा इसके लिए पुनर्वास केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने भी पुस्तक के लेखक राजीव रंजन प्रसाद एवं सुश्री रचना नायडू को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

रक्तदान सबसे बड़ा दान, इससे बड़ी कोई सेवा नहीं - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल श्री डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वर्षो से निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कार्यो की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वर्षो से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष रूपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल, रेडक्रॉस ब्लड सेंटर रायपुर के प्रभारी डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, पूर्व चेयरमेन अशोक अग्रवाल रेडक्रॉस के पदाधिकारी, स्वैच्छिक रक्तदाता तथा सहयोगी, संस्थानों तथा संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

सुकमा की बेटियों ने 'खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स' फुटबॉल में जीता गोल्ड

खेलो इंडिया से मिला मंच, राष्ट्रीय स्तर पर चमकी प्रतिभा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की महिला खिलाड़ियों (शारदा और पूजा) ने पहले 'खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स' के महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड) जीता है द्य छत्तीसगढ़ की टीम ने रोमांचक फाइनल में झारखंड को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

सुकमा जिले की बेटियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। जिले के दूरस्थ गांवों से आने वाली फुटबॉल खिलाड़ी शारदा प्रधानी (ग्राम चिपुरपाल) और पूजा माड़वी (ग्राम कोलईगुड़ा, कोंटा) ने प्रथम नेशनल ट्राइबल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर नई उपलब्धि हासिल की है। वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर में आयोजित 'खेलो इंडिया' योजना के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ़ की विजेता फुटबॉल टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहीं। टीम ने सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को हराने के बाद फाइनल मुकाबले में झारखंड को पराजित कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खिलाड़ियों की सफलता में खेलो इंडिया फुटबॉल कोच शिवेंद्र ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शारदा और पूजा वर्तमान में आवासीय खेल अकादमी रायपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

पीएम जनमन आवास योजना से बदली मोटू राम की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमादरहा के निवासी मोटू राम पहाड़ी कोरवा इसका जीवंत उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना की बदौलत उनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना अब साकार हो रहा है।

मोटू राम अपने परिवार के साथ लंबे समय से एक कच्चे मकान में रह रहे थे। खेती-किसानी और छोटी किराना दुकान से परिवार का भरण-पोषण करने वाले मोटू राम के लिए सीमित आय में पक्का घर बनाना संभव नहीं था। बारिश के मौसम में उनके घर की छत टपकती थी, जिससे पूरे परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हर वर्ष मकान की मरम्मत और लिपाई-पुताई में अतिरिक्त समय और धन खर्च करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ, जिसके निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। जल्द ही उनका परिवार नए और सुरक्षित घर में रहने लगेगा। मोटू राम बताते हैं कि निर्माण का केवल थोड़ा-सा काम शेष है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

नए आवास को लेकर मोटू राम और उनका परिवार बेहद उत्साहित है। उनका कहना है कि अब उन्हें बारिश के दिनों में घर टपकने की चिंता नहीं रहेगी और परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर सकेगा। मोटू राम की कहानी इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित योजनाएं जरूरतमंद एवं विशेष रूप से जनजातीय परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना न केवल लोगों को पक्का आवास उपलब्ध करा रही है।

आध्यात्मिक मूल्यों से ही संभव है स्वस्थ और संस्कारित समाज का निर्माण : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोड़ी (राछा) स्थित सत्य निजनाम बोध संस्थान में आयोजित सत्य निजनाम सत्संग सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने पुष्पवर्षा एवं गजमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने परमपूज्य सद्गुरु सत्य कबड्डीदास जी एवं पूजनीया गुरुमाता सत्य लीला देवी जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा आश्रम परिसर में लाल चंदन का पौधा रोपा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सत्य निजनाम बोध संस्थान आध्यात्म और नशामुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। आध्यात्मिक मूल्यों से ही स्वस्थ और संस्कारित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए नशामुक्ति को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। राज्य सरकार नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई कर रही है तथा जनजागरूकता के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को निरंतर आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास का नया वातावरण बना है।

अब इन क्षेत्रों में सड़क, दूरसंचार, राशन वितरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंच रहा है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076, अटल डिजिटल सेवा केंद्र और अन्य नागरिक सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में सत्य निजनाम बोध संस्थान के अनुयायी उपस्थित थे।

कयाकिंग-कैनोइंग को आगे बढ़ाने हरसंभव सहयोग देगी सरकार - अरुण साव

24 राज्यों के 810 खिलाड़ी हुए शामिल, मध्यप्रदेश बना ओवरआल चैंपियन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव नवा रायपुर के सेंध जलाशय में आयोजित 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। विगत 12 जून से प्रारंभ इस चैंपियनशिप में देश के 24 राज्यों के 810 खिलाड़ियों तथा करीब 400 अधिकारियों, खेल संघों के पदाधिकारियों और सपोर्टिंग स्टॉफ ने भागीदारी की। चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ओवरऑल चैंपियन बना। केरलम और ओड़िशा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री गुरू खुशवंत साहेब भी समापन समारोह में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समापन समारोह में खिलाड़ियों और विभिन्न राज्यों से आए कयाकिंग-कैनोइंग संघों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी इस खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। देशभर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य के लिए पदक जीत कर ला रहे हैं। राज्य में कयाकिंग-कैनोइंग को और आगे बढ़ाने सरकार हरसंभव सहयोग देगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। भारत सरकार 2047 तक विकसित भारत के साथ ही देश को दुनिया की पांच बड़ी खेल शक्तियों में शामिल करने रोडमैप बनाकर काम कर रही है। ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीते, इसके लिए योजना बनाकर काम कर रही है।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि आज खेलों का महत्व केवल खेल तक ही सीमित नहीं है। यह नौजवानों के विकास और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने का बड़ा माध्यम है। देश के वातावरण को बदलने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेल के मैदान में लाना पड़ेगा। खेल के मैदान से सब कुछ मिलता है। मान-सम्मान, धन-दौलत, शोहरत... ये सब खेल के मैदान से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो खेलेगा वही खिलेगा, इसलिए आप खूब खेलें, खूब आगे बढ़ें। उन्होंने नवा रायपुर में इस चैंपियनशिप के शानदार आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने अपने संबोधन में कहा कि मौसम की प्रतिकूलता के बावजूद तीन दिनों तक यहां अच्छा आयोजन हुआ है। देशभर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि खेल अब एक अच्छा करियर भी हो गया है। खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए सरकार लगातार सुविधाओं व अधोसंरचनाओं को मजबूत कर रही है। इससे बड़ी संख्या में युवा खेलों को अपना रहे हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के सभी विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नवा रायपुर के सेंध जलाशय में 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के तहत महिला एवं पुरूष वर्ग में जूनियर और सब-जूनियर स्तर पर कयाकिंग-कैनोइंग की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया, सचिव प्रशांत रघुवंशी, एशियन कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा, उत्तराखंड कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के डॉ. डी.के. सिंह और ओड़िशा कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के विपिन दास सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

कॉकटेल 2 की दुनिया से अभी बाहर नहीं आ पाईं कृति सेनन, शूटिंग के अनदेखे पलों को किया शेयर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके कलाकार लगातार दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी बीच कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई मजेदार पल देखने को मिले। कृति सेनन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में फिल्म के सेट पर बिताए गए कई खूबसूरत पल दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सबसे ज्यादा ध्यान फिल्म के एक बड़े गाने की शूटिंग पर जाता है।

इसमें कृति सेनन और अभिनेता शाहिद कपूर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों कभी नाचते दिखाई देते हैं तो कभी हंसते और मस्ती करते हुए नजर आते हैं। वीडियो में वह हर पल का भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं।

वीडियो में कृति अलग-अलग लुक्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं शाहिद कपूर भी पूरे जोश के साथ नजर आ रहे है। दोनों कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। वीडियो में डांस की तैयारी के पल भी दिखाए गए हैं। कलाकार गाने की रिहर्सल करते दिखाई देते हैं। समुद्र किनारे फिल्माए गए कई सीन्स बेहद खूबसूरत हैं। बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक पर नाचते और खुशी मनाते नजर आते हैं।

फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी वीडियो में छोटी सी झलक दिखाई देती है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया भी नजर आते हैं।

कृति सेनन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, मेंटली अभी भी फिल्म की दुनिया में हूं। 19 जून से थिएटर्स में कॉकटेल 2 जरूर देखने आए।

कॉकटेल 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक है। यह साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म कॉकटेल की अगली कड़ी है। पहली फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, इसलिए इस नई फिल्म से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में प्यार, दोस्ती, रिश्तों की उलझन और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। साथ ही फिल्म में कई खूबसूरत गाने भी शामिल हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आईने में दिखती औरत दुनिया की नहीं, मेरी बनाई हुई है'

माधुरी दीक्षित का पोस्ट हुआ वायरल

माधुरी दीक्षित का एक इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने खुलकर अपने बदलाव और संघर्ष की कहानी शेयर की है।

माधुरी दीक्षित नेने सिर्फ बॉलीवुड की सुपरस्टार नहीं हैं, बल्कि आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसा संदेश शेयर किया, जिसने उनके फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। अपने एक डांस वीडियो के साथ माधुरी ने आत्म-खोज और खुद की पहचान बनाने पर एक भावुक नोट लिखा, जो तेजी से लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

इ स वायरल वीडियो म` माधुरी दीक्षित खूबसूरत साड़ी पहने नजर आ रही हैं और गाने 'शीशा (आख्या में आख गली जो बैरन)' पर डांस कर रही हैं, लेकिन सबसे ज्यादा जो मजेदार था वो है उनका कैप्शन उन्होंने जिंदगी में इतने आईने देख लिए हैं कि अब उन्हें समझ आ गया है कि आईने में दिखने वाली महिला दुनिया की बनाई हुई पहचान नहीं, बल्कि वो शख्सियत है जिसे उन्होंने खुद अपने अनुभवों और संघर्षों से तैयार किया है, मैं अब वो हूं, जैसी हमेंशा से बनना चाहती थी।

बता दें, माधुरी का ये नोट सिर्फ एक सोशल मीडिया पोस्ट नहीं था, बल्कि ये आत्मविश्वास और आत्म-स्वीकृति का एक मजबूत बयान भी माना जा रहा है। साथ ही, लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी वो लगातार खुद को नए रूप में पेश कर रही हैं और ये बात उनके हालिया प्रोजेक्ट्स में भी साफ दिखाई देती है।

फिल्म 'मां बहन' की कहानी है मजेदार

इन दिनों माधुरी दीक्षित की फिल्म 'मां बहन' दर्शकों के बीच सुर्खियों में है। ये एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, जिसमें वो रेखा नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं। कहानी तब दिलचस्प मोड़ लेती है जब रेखा और उनकी बेटियों को अपने घर में एक रहस्यमयी लाश मिलती है। फिल्म में हास्य, रहस्य और पारिवारिक रिश्तों का अनोखा कॉम्बो देखने को मिलता है।

ये OTT सीरीज 'मिसेज देशपांडे' में भी नजर आ रही हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक सीरियल किलर का चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। ये रोल उनके अब तक के करियर से काफी अलग माना जा रहा है और दर्शकों को उनका नया अंदाज देखने का मौका दे रहा है। दरअसल, 70 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी माधुरी दीक्षित ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं।

गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट के साथ पहनें ये डिजाइनर टॉप, आपको मिलेगा खूबसूरत लुक

गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट पहनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये न केवल आपको ठंडक देती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाती हैं। अगर आप सोच रही हैं कि इन स्कर्ट के साथ कौन-सा टॉप पहनें तो चिंता न करें। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे डिजाइनर टॉप के बारे में बताएंगे, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपके लुक को खास बना सकते हैं।

सफेद शर्ट

सफेद शर्ट हमेशा से ही एक अच्छा विकल्प रही है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि किसी भी प्रकार की स्कर्ट के साथ अच्छी लगती है। यह आउटफिट आपको एक पेशेवर लुक भी दे सकता है, जो ऑफिस मीटिंग के लिए बढिया रहेगा। यह संतुलित लुक देता है और आपके पूरे लुक को खास बनाता है। आप इसे बाहर निकालकर पहन सकती हैं या अंदर से टक कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

बैकलेस टॉप

बैकलेस टॉप बहुत ही ट्रेंड में हैं, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ सबसे सुंदर लग सकते हैं। इसके लिए आप पश्चिमी शैली वाले टॉप चुन सकती हैं या फिर देसी शैली वाले डिजाइनर बैकलेस टॉप भी पहन सकती हैं। लंबी और मिडी, दोनों तरह की स्कर्ट के साथ ऐसे टॉप अच्छे लग सकते हैं। इन दिनों कैमी वाले बैकलेस टॉप भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। टॉप की फिटिंग और स्टाइल अपने हिसाब से चुन सकती हैं।

ट्यूब या टैंक टॉप

इन दिनों महिलाओं को फूलों वाली स्कर्ट के साथ जो टॉप पहनना सबसे ज्यादा पसंद है, वे हैं ट्यूब या टैंक टॉप। ट्यूब टॉप बिना बाजु और कंधे वाले टॉप होते हैं, जो काफी ट्रेंडी लुक प्रदान करते हैं। आप हल्के रंग वाली स्कर्ट के साथ हल्के रंग वाले ट्यूब टॉप का मेल बैठा सकती हैं, जो गर्मी के लिए आदर्श रहेगा। इसके अलावा टैंक टॉप हर महिला के पास होते ही हैं, जो इस स्कर्ट पर जंचते हैं।

ऑफ शोल्डर टॉप

अगर आप किसी पार्टी या खास मौके पर फूलों वाली स्कर्ट पहन रही हैं तो ऑफ शोल्डर टॉप बढिया चुनाव हो सकते हैं। इससे एक ट्रेंडी लुक मिल जाता है और आप सभी का ध्यान आकर्षित कर सकती हैं। आप दोनों तरफ से ऑफ शोल्डर या वन ऑफ शोल्डर टॉप चुन सकती हैं, जो भी आपको ज्यादा पसंद आए। इसके अलावा इन दिनों ऑफ शोल्डर टी-शर्ट भी काफी चलन में हैं, जिन्हें स्कर्ट के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

हॉल्टर नेक टॉप

हॉल्टर नेक टॉप पिछले कुछ सालों से महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। इन्हें गर्दन पर बांधकर पहना जाता है और इनकी नेकलाइन बेहद शानदार लुक देती है। इन्हें फूलों वाले प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ पहनकर आपको सबसे सुंदर लुक मिलेगा, जो बीच पर जाने के लिए भी अच्छा रहेगा। टॉप की फिटिंग का खास ध्यान रखें, ताकि आपका लुक ज्यादा सुंदर नजर आए। हल्की एक्सेसरीज के साथ लुक को पूरा करें।

टाइगर प्रिंट ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए दिलकश पोज

नेटिजंस बोले- 'हमारी जंगली बिल्ली'

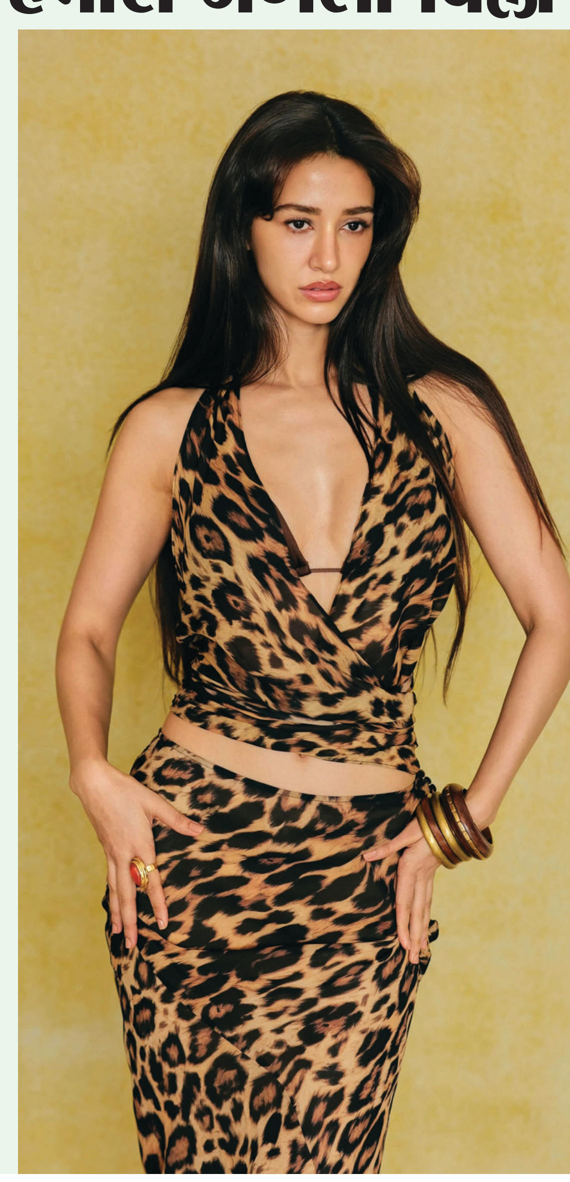

अभिनेत्री दिशा पाटनी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर स्टाइलिश फोटोज शेयर किए हैं। दिशा पाटनी टाइगर प्रिंट ड्रेस में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने स्टाइलिश लुक और खूबसूरती को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी फिटनेस के फैंस कायल हैं।

दिशा ने बीते दिन 13 जून को अपना जन्मदिन मनाया। रविवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे बोल्ड पोज देती दिख रही हैं। दिशा पाटनी 34 वर्ष की हो गई हैं। अपने हालिया पोस्ट में उन्होंने कुछ दिलकश फोटोज शेयर किए हैं। दिशा टाइगर प्रिंट की वेस्टर्न ड्रेस पहने दिख रही हैं। उन्होंने अलग-अलग अंदाज में स्टाइलिश पोज दिए हैं।

दिशा पाटनी ने बिल्ली के साथ भी पोज दिए हैं। उनका यह अंदाज देख कोई उन्हें 'शेरनी' कह रहा है तो कोई उन्हें 'जंगली बिल्ली' बता रहा है।

कुछ नेटिजंस उनके पोस्ट पर मौनी रॉय को लेकर कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे है, 'तस्वीरों में मौनी रॉय भी होनी चाहिए थीं'। बता दें कि दिशा और मौनी रॉय बेस्ट फ्रेंड हैं।

दिशा के करियर की बात करें तो उन्होंने शुरुआत साल 2015 में आई तेलुगु फिल्म 'लोफर' से की थी। इसमें उन्होंने मौनी नाम की एक लड़की का रोल निभाया था।

साल 2016 में दिशा ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'एम.एस. धोनी: द अनटॉल्ड स्टोरी' थी।

कौन हैं शरवरी वाघ? महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री की नातिन

शरवरी वाघ का जन्म 14 जून 1997 को मुंबई में हुआ था। वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी की नातिन हैं। इतनी बड़ी राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बाद भी उन्होंने खुद को इससे दूर रखा और फिल्मों में अपनी खास पहचान बनाई।

सहायक निर्देशक के रूप में की शुरुआत

अभिनेत्री बनने से पहले शरवरी ने कैमरे के पीछे रहकर काम किया। शरवरी ने साल 2015 से 2018 के बीच सहायक निर्देशक के रूप में काम किया। उन्होंने 'बाजीराव मस्तानी' और 'प्यार का पंचनामा 2' जैसी फिल्मों में संजय लीला भंसाली और लव रंजन जैसे बड़े निर्देशकों के साथ काम सीखा। काम करने के साथ-साथ वह साल 2014 से ही एक्टिंग के लिए ऑडिशन भी दे रही थीं।

अभिनय का सफर

शरवरी का पहला ऑन-स्क्रीन प्रोजेक्ट 'द फॉरगॉटन आर्मी' वेब सीरीज थी। कबीर खान की इस सीरीज में उन्होंने सनी कौशल के साथ 'माया' का किरदार निभाया था। यह कहानी द्वितीय विश्व युद्ध और भारतीय राष्ट्रीय सेना पर आधारित थी।

'बंटी और बबली 2'

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'बंटी और बबली 2' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। इसमें उनके साथ सैफ अली खान, रानी मुखर्जी और सिद्धांत चतुर्वेदी थे। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर और आईआईएफए का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड भी मिला।

'मुंजा'

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मुंजा' शरवरी के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई। फिल्म 'मुंजा' में शरवरी ने 'बेला' का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

'महाराज'

नेटफ्लिक्स पर आई ऐतिहासिक और कानूनी ड्रामा फिल्म 'महाराज' में शरवरी ने आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ अभिनय किया। इस फिल्म में उनके गंभीर अभिनय को आलोचकों ने काफी पसंद किया।

'वेदा'

जॉन अब्राहम के साथ एक्शन फिल्म 'वेदा' में शरवरी ने ग्रामीण भारत में जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक लड़की का किरदार निभाया। यह उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण और अलग तरह की भूमिका थी।

'मैं वापस आऊंगा'

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। यह भारत के विभाजन के समय की एक प्रेम कहानी है। इस फिल्म में शरवरी ने जिया का रोल किया है, जो विभाजन के दौरान अपने प्रेमी कीनू (वेदांग रैना) से अलग हो जाती है।

'अल्फा' में नजर आएंगी शरवरी

शरवरी वाघ अब फिल्म 'अल्फा' में एक्शन अवतार में नजर आएंगी। इस फिल्म का पहला पोस्टर और टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। 'अल्फा' (Alpha) यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स (YRF Spy Universe) की बहुचर्चित फिल्म है, जो भारत की पहली महिला प्रधान जासूस-एक्शन फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। यह 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खास खबर

नगरीय प्रशासन विभाग में 18 अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले

रायपुर। राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 18 अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी से लेकर राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक और सहायक ग्रेड-2 शामिल हैं विभाग ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण पटेल और सहायक राजस्व निरीक्षक राजेश तिवारी का निलंबन समाप्त करते हुए आगामी आदेश पर्यंत क्रमशः बम्हनीडीह नगर पंचायत और खैरागढ़ नगर पालिका में पदस्थ किया है। यद्यपि दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच जारी रहेगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। इसके उल्लंघन पर नियंत्रण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से खेती का नया रास्ता

रायपुर। हाइड्रोपोनिक्स एक उन्नत कृषि तकनीक है, जिसमें मिट्टी का उपयोग नहीं किया जाता। पौधों को सीधे पानी और उसमें घुले आवश्यक पोषक तत्वों के माध्यम से उगाया जाता है। यह तकनीक पारंपरिक खेती की तुलना में कम जगह और कम पानी में अधिक व तेजी से फसल उगाने में बेहद कारगर है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा हाइड्रोपोनिक्स नवाचार एवं न्यूट्रिशन फील्ड तकनीक भविष्य की रणनीति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों की जानकारी देना तथा भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करना था। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एवं प्रोफेसर डॉ. मुर्तजा हसन तथा हाइड्रोपोनिक्स विशेषज्ञ मोहम्मद जावेद आलम ने प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी प्रदान की।

मनेंद्रगढ़ में महिला उद्यमियों को डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण

एमसीबी। जिले की महिला उद्यमियों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उनके उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवा बिहान क्लस्टर में वर्कशॉप ऑन डिजिटल लिटरेसी का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों तथा महिला संचालित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों को डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार विकास संबंधी व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पीआरपी सुश्री वसुंधरा यादव ने किया। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमिता केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम नहीं है।

मुख्यमंत्री साय ने जांजगीर-चांपा जिले में 295 करोड़ रुपये से अधिक के 341 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन, कहा-

विकास कार्यों से आमजन की सुविधाओं का होगा विस्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोंड़ी (राछा) में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा बटन दबाकर पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन जांजगीर-चांपा जिले के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि जांजगीर चांपा जिले को लगभग 295 करोड़

रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और जनजीवन अधिक सुगम बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले में विकास की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा आमजन को सीधे लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लोकार्पित 159 कार्यों में जल संसाधन, वन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीजीएमएससी, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्य शामिल हैं। वहीं भूमिपूजन के 182 कार्यों में जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, सीजीएमएससी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण विकास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसी सोच के साथ प्रदेश में विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

2500 किलोलीटर क्षमता के पानी टंकी निर्माण का हुआ भूमिपूजन

चार वार्डों में 2 किमी राइजिंग मेन पाइपलाइन और 25 किमी डिस्ट्रीब्यूशन लाइन भी बिछाई जाएगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के खम्हारडीह में बहुप्रतीक्षित 2500 किलोलीटर क्षमता के पानी टंकी के निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से करीब 20 करोड़ 93 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस पानी टंकी से शहर के 2500 घरों को पानी मिलेगा।

इसके लिए चार वार्डों, वार्ड क्रमाकं-9, 10, 30 और 31 में 25 किमी डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन और 2 किमी राइजिंग मेन पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके निर्माण से इन चारों वार्डों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुदृढ़ होगी। विधायकगण सुनील सोनी और पुरंदर मिश्रा तथा महापौर मीनल चौबे भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का प्राथमिक दायित्व है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महापौर मीनल चौबे के नेतृत्व में रायपुर के सभी क्षेत्रों का तेजी से विकास किया जा रहा है। रायपुर को राजधानी के अनुरूप सजाया और संवारा जा रहा है। रायपुर के चारों विधायक और महापौर शहर के विकास और जनसुविधाएं बढ़ाने लगातार सक्रियता से विकास एवं निर्माण कार्य स्वीकृत करवा रहे हैं।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने खम्हारडीह में नई पानी टंकी के निर्माण का अपना वादा आज पूर्ण कर दिया है। पूर्ववर्ती सरकार ने जितना काम 5 वर्षों में नहीं किया, श्री विष्णु देव साय की सरकार ने उससे कहीं अधिक कार्य अपने ढाई साल के कार्यकाल में कर दिखाया है। वहीं महापौर मीनल चौबे ने कहा कि आज का दिन खम्हारडीह में जल समस्या के स्थायी निदान के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इसके लिए केवल राशि ही नहीं दी है, बल्कि उन्होंने यहां के लोगों को जलापूर्ति का साधन दे दिया है। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर नगर निगम में जल कार्य विभाग के अध्यक्ष संतोष सीमा साहू, जोन-3 अध्यक्ष साधना प्रमोद साहू, एमआईसी सदस्यगण महेन्द्र खोडियार, संजना संतोष हियाल, अवतार भारती बागल, अमर गिदवानी, जोन 5 जोन अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल और रमेश सिंह ठाकुर सहित अनेक पार्षदगण भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हो सकेगा पत्रकारों का रियायती दर पर इलाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के तत्वावधान में रायपुर प्रेस क्लब के सम्मानित सदस्यों, पत्रकार साथियों एवं उनके परिजनों के लिए आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आभार एवं समापन समारोह रविवार को रायपुर प्रेस क्लब, मोती बाग में गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा आयोजित इस शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सतीश थोरानी ने की। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के तमाम पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संदीप दवे ने पत्रकारों की सामाजिक सहभागिता और उनके कठिन कार्य परिवेश की सराहना की। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर की अवधि को अब 30 जून 2026 तक के लिए बढ़ाया जा रहा है। पूर्व में पत्रकारों को जारी किए गए कूपन के माध्यम से वे इस विस्तारित अवधि तक अपनी निशुल्क जाँचें करवा सकेंगे। डॉ. संदीप दवे ने पत्रकार जगत को एक और बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की कि शिविर समाप्त होने के बाद भी रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए विशेष रियायतें जारी रहेंगी।

नारी राग-रंग महोत्सवः महिलाओं की सृजनात्मकता और आत्मविश्वास को मिला नया मंच; एसईसीएल में दो दिवसीय आयोजन का समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के बिलासपुर स्थित मुख्यालय में श्रद्धा महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'एसईसीएल नारी राग-रंग महोत्सव 2026' का आज गरिमामय और भव्य समापन हुआ।

इस महोत्सव ने न केवल महिलाओं की सुप्त प्रतिभा को उजागर किया, बल्कि उन्हें अपनी अभिव्यक्ति के लिए एक सशक्त और राष्ट्रीय स्तर का मंच भी प्रदान किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास सहित श्रद्धा महिला मंडल की उपाध्यक्षागण अनीता फ्रैंक्लिन, इप्सिता दास एवं शुभश्री महापात्र उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारीगणों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की।

महोत्सव के दूसरे और अंतिम दिन की प्रतियोगिताएं बेहद रोमांचक रहीं, जिसमें समूह गायन, समूह नृत्य, स्टैंड-अप कॉमेडी, मिमिक्री और लघु नाटिकाओं (स्किट) का मंचन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि आधुनिक समाज में नारी शक्ति के विविध आयामों को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने इस आयोजन की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा, नारी राग-रंग महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के भीतर छिपी अद्वितीय क्षमताओं को पहचानने और उन्हें आत्मविश्वास से भरने का एक अभियान है। प्रतिभागियों के उत्साह ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जब महिलाओं को उचित अवसर मिलता है, तो वे सृजनात्मकता के नए कीर्तिमान स्थापित करती हैं। एसईसीएल भविष्य में भी महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उनके कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के आयोजन निरंतर जारी रखेगा।

कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न श्रेणियों की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, आयोजन को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्णायक मंडल के सदस्यों को भी स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

यह दो दिवसीय महोत्सव महिलाओं की रचनात्मकता, संगठन क्षमता और नेतृत्व कौशल के एक उत्कृष्ट संगम के रूप में उभरा है। इस सफल आयोजन ने न केवल एसईसीएल परिवार के बीच एकता की भावना को सुदृढ़ किया है, बल्कि नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक नई ऊर्जा का संचार भी किया है।

मैंगो महोत्सव 2.0 को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की तैयारी

बस्तर आम महोत्सव 2026 : वैश्विक पहचान की ओर बढ़ता बस्तर का अनूठा स्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर अंचल की समृद्ध जैव-विविधता, प्राकृतिक कृषि परंपरा और उत्कृष्ट बागवानी क्षमता को नई पहचान देने के उद्देश्य से जगदलपुर स्थित क्रांतिकारी डेबरीधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'बस्तर आम महोत्सव 2026' का समापन हुआ। महोत्सव ने बस्तर के पारंपरिक एवं दुर्लभ आमों की विविधता को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के साथ-साथ किसानों, युवाओं और उद्यमियों को अपनी प्रतिभा एवं नवाचार प्रस्तुत करने का प्रभावी मंच प्रदान किया।

समापन समारोह में कलेक्टर आकाश छिकारा ने महोत्सव परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर आम की विभिन्न देशी एवं हाइब्रिड प्रजातियों की सराहना की। उन्होंने आम से तैयार मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे अचार, अमचूर, पना, मैंगो पल्प तथा अन्य प्रसंस्कृत उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों एवं स्टॉल प्रदर्शकों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के महत्व पर बल देते हुए कहा कि कृषि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में बस्तर जैसे क्षेत्र, जहां प्राकृतिक खेती की अपार संभावनाएं हैं, वहां किसानों को जैविक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों, जैव-कीटनाशकों और उन्नत खेती प्रणालियों के उपयोग को समय की आवश्यकता बताया। दो दिवसीय बस्तर आम महोत्सव न केवल कृषि, उद्यानिकी और प्रसंस्करण क्षेत्र की संभावनाओं को सामने लाने में सफल रहा, बल्कि इसने बस्तर के किसानों को मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और बाजार विस्तार की नई दिशा भी प्रदान की।

इस अवसर पर उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गणेश नाग, जनप्रतिनिधिगण, कृषि वैज्ञानिक, उद्यानिकी विशेषज्ञ, बड़ी संख्या में किसान एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एफपीओ मजबूत बनाने पर विशेष जोर

स्थानीय किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने के लिए कलेक्टर ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठित उत्पादन, जैविक प्रमाणन, प्रभावी ब्रांडिंग और आधुनिक विपणन रणनीतियों के माध्यम से बस्तर के आमों को देश और दुनिया के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए बागवानी एवं पशुपालन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली को किसानों के लिए लाभकारी बताया।

बस्तर को देश के प्रमुख आम उत्पादक क्षेत्रों में किया जाएगा स्थापित

कलेक्टर छिकारा ने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक जलवायु, जैविक खेती की परंपरा और यहां की विशिष्ट कृषि संपदा आम उत्पादन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं रखती है। उन्होंने बताया कि पहले संस्करण की सफलता के बाद अब 'मैंगो महोत्सव 2.0' को और अधिक व्यापक स्वरूप देकर राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बस्तर को देश के प्रमुख आम उत्पादक क्षेत्रों में स्थापित करना तथा यहां के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाना है।

पुनर्वासित युवाओं को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा का संबल

रायपुर। माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं को नई जिंदगी देने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा और संबल प्रदान किया जा रहा है। ताकि वे आर्थिक चिंता से मुक्त होकर अपना और अपने परिवार का मुफ्त इलाज करा सकें। बीजापुर जिले के कलेक्टर श्री विश्वदीप के मार्गदर्शन में बीजापुर जिले के पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष पहल की जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुनर्वास केंद्र बीजापुर में विशेष शिविर आयोजित कर 89 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हितग्राहियों का पंजीयन किया, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड तैयार किए।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

जल्दबाजी बनी जानलेवा, ट्रक की टक्कर बाइक सवार युवक की मौत

कांकेर। सड़क पर एक पल की लापरवाही ने एक युवक की जिंदगी छीन ली। कांकेर जिले के चारामा थाना क्षेत्र में रविवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा बाबू कोहका गांव स्थित स्टार ढाबा के पास हुआ, जहां ओवरटेक के दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। मिली जानकारी के अनुसार, सत्यम शुक्ला नामक युवक अपनी एचएफ डीलक्स बाइक से कांकेर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने बाइक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि ओवरटेक के दौरान ट्रक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सत्यम सड़क पर गिरकर कई मीटर तक घसीटता चला गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायल युवक को चारामा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के मैहर जिले निवासी सत्यम शुक्ला के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही चारामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

कूलर में पानी भरना पड़ा भारी, करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

जशपुर। गर्मी से राहत देने वाला कूलर एक परिवार के लिए काल बन गया। जशपुर जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के तारागढ़ गांव में करंट लगने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, महिला अपने घर में रखे कूलर में पानी भर रही थी। इसी दौरान कूलर में अचानक करंट प्रवाहित हो गया और वह उसकी चपेट में आ गई। करंट इतना तेज था कि महिला खुद को उससे अलग नहीं कर सकी और गंभीर रूप से झुलस गई। घर से चीख-पुकार की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद महिला को कूलर से अलग किया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल पत्थलगांव ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में कूलर में विद्युत लीकेज की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के सटीक कारणों का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा।

पेड़ के नीचे बेच रहा था शराब पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा, 35 देसी शराब जब्त

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा इलाके में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। तेलीबांधा केनाल रोड स्थित बरगद के पेड़ के नीचे एक युवक अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही विशेष टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 35 पाव देसी शेरा मसाला शराब बरामद हुई। प्रत्येक पाव में 180 एमएल शराब भरी हुई थी। जब्त शराब की कुल मात्रा 6.3 लीटर और कीमत करीब 4 हजार रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागर बंजारे (24) निवासी सतनामी पारा, भीखारी बाड़ा के पास, तेलीबांधा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर भी है और उसके खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 258/2026 दर्ज कर आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

ड्रग तस्कर 'पाबलो' की 15 लाख की संपत्ति सीज

नशे के कारोबार से खरीदी गई थी थार और शेवरले क्रूज, रायपुर पुलिस ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नशे के खिलाफचल रहे अभियान के तहत रायपुर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ड्रग तस्करी के मामले में दोषी रूपिंदर सिंह उर्फपिंदर उर्फपाबलो की करीब 15 लाख रुपए की संपत्ति को फ्रीज (सीज) कर दिया गया है।

यह कार्रवाई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत सफेमा/एनडीपीएस एक्ट के सक्षम प्राधिकारी और प्रशासक, मुंबई के आदेश पर की गई है।

पुलिस के अनुसार पंजाब के तरनतारण जिले का रहने वाला रूपिंदर सिंह उर्फ पाबलो, जो अभी रायपुर के हीरापुर इलाके में रहता है, उसके खिलाफ कबीर नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

रायपुर की विशेष एनडीपीएस कोर्ट उसे दोषी ठहरा चुकी है और उसे एक साल की सजा (सश्रम कारावास) के साथ जुर्माना भी लगाया है।

दोषसिद्धि के बाद रायपुर पुलिस ने आरोपी की वित्तीय जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी के नाम पर दो महंगी गाड़ियां दर्ज हैं, जिनकी कीमत उसकी घोषित आय से कहीं ज्यादा है।

वैध आय का स्रोत नहीं बता सका आरोपी

जांच एजेंसियों को शक हुआ कि ये संपत्तियां नशे के अवैध कारोबार से कमाए गए पैसों से खरीदी गई हैं। इसके बाद पूरे मामले की वित्तीय जांच की गई और जरूरी दस्तावेजों के साथ केस सफेमा/एनडीपीएसएक्ट के सक्षम अधिकारी, मुंबई को भेजा गया।

सुनवाई के दौरान आरोपी और उसके परिवार को यह साबित करने का मौका दिया गया कि संपत्ति वैध तरीके से खरीदी गई है, लेकिन वे इसका संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद 5 जून 2026 को सक्षम अधिकारी ने दोनों वाहनों को फ्रीज करने के आदेश को मंजूरी दे दी।

अब न बेच सकेंगे, न ट्रांसफर कर सकेंगे

आदेश के बाद आरोपी इन वाहनों को न तो बेच सकता है, न किसी और के नाम कर सकता है और न ही बिना अनुमति उनका इस्तेमाल कर सकता है। अगर आगे भी यह साबित नहीं होता कि ये संपत्ति सही तरीके से कमाई गई है, तो इन्हें हमेशा के लिए जब्त कर सरकार के पास ले लिया जाएगा।

पुलिस जांच में शामिल संपत्तियां

शेवरले क्रूज कार (सीजी-01एके-2424) अनुमानित कीमत 5 लाख रुपए, महिंद्रा थार (सीजी-04-एमएन-9007) - अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए

दोनों वाहनों की कुल कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है।

सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, अब संपत्तियों पर भी चोट

रायपुर पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ सिर्फगिरफ्तारी तक सीमित कार्रवाई नहीं की जा रही है, बल्कि अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को भी निशाना बनाया जा रहा है। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा एनडीपीएस मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी, वित्तीय जांच, संपत्ति कुर्की, पीआईटी-एनडीपीएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई और ड्रग सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

शेर-ए-इस्लाम अखाड़ा के सदस्यों बीच हुई कटर बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मोहर्रम पर्व की तैयारियों के दौरान इमामबाड़ा की दीवारों पर रंग-रोगन कराने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर कटर से हमला कर दिया । मामले में भिलाई नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

भिलाई नगर पुलिस के अनुसार सेक्टर-6 स्थित शेर-ए-इस्लाम अखाड़ा सड़क निवासी मोहम्मद इजहार खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह इमामबाड़ा समिति का सदस्य है। आगामी मोहर्रम पर्व को देखते हुए 14 जून की सुबह करीब 9:20 बजे वह इमामबाड़ा मैदान के पास

समिति के दूसरे सदस्य वसीम परवेज उर्फ राजा से इमामबाड़ा की दीवारों पर रंग-रोगन कराने को लेकर चर्चा कर रहा था।प्रार्थी के अनुसार वह दीवारों पर लाइट ग्रीन रंग कराने के पक्ष में था, जबकि वसीम परवेज डार्क ग्रीन रंग कराने की बात कह रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

आरोप है कि विवाद के दौरान वसीम परवेज ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए अपने पास रखे कटर से उसके पेट पर हमला कर दिया। हमले में मोहम्मद इजहार खान के पेट के बाएं हिस्से और चेहरे के बाएं गाल पर चोट आई। प्रार्थी का कहना है कि वह मौके से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा, अन्यथा आरोपी उसकी हत्या कर सकता था।

घायल को गंभीर रजक और तहसीन रज्जाक द्वारा उपचार के लिए सुपेला अस्पताल ले जाया गया।घटना की जानकारी सिबतेन रज्जाक को देने के बाद पीड़ित थाना भिलाई नगर पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी वसीम परवेज उर्फ राजा के खिलाफ अपराध क्रमांक 323/2026 के तहत धारा 109 (1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंटवारे की बात बनी खूनी विवादः खेती के हिसाब को लेकर छोटे भाई ने गैती से की बड़े भाई की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। घर-जमीन के बंटवारे और खेती-किसानी के पैसों के हिसाब को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बेमेतरा जिले के ग्राम ढारा में छोटे भाई ने आवेश में आकर अपने ही मंझले भाई की गैती से वार कर हत्या कर दी।

घर-जमीन के बंटवारे और खेती-किसानी के पैसों के हिसाब को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बेमेतरा जिले के ग्राम ढारा में छोटे भाई ने आवेश में आकर अपने ही मंझले भाई की गैती से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने बड़े भाई को फोन कर खुद ही वारदात की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने बताया कि ग्राम ढारा निवासी सगे भाई जलेश्वर व प्रदीप साहू के बीच जमीन के बंटवारे और खेती-किसानी के पैसों के हिसाब को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान जलेश्वर ने प्रदीप की गैती से मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस पूछताछ में आरोपी जलेश्वर साहू (23) ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि घर, जमीन के बंटवारे और खेती-किसानी के हिसाब-किताब को लेकर विवाद बढ़ गया था। झगड़े के दौरान आवेश में आकर उसने गैती से प्रदीप के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे की गैती और अन्य साक्ष्य जब्त कर लिए हैं। आरोपी जलेश्वर साहू, निवासी ग्राम ढारा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कांकेर में आरक्षक बनाने का दिया प्रलोभन, मिले पैसे से खरीद लिया फर्नीचर व सामान, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कांकेर जिले के चारामा थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने कई बेरोजगारों को ऊपर तक पहुँच होने व पुलिस विभाग में आरक्षक की नौकरी दिलाने का साझा देकर लाखों रुपए ठग लिए। 2 वर्ष तक जब नौकरी नही लगी तो प्रार्थी ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई।

चारामा थाना प्रभारी ने बताया कि 12 जून को प्रार्थी यादेश कुमार साहू 25 वर्ष निवासी ग्राम उडकुड़ा,तहसील चारामा,जिला उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि कैलाश साहू निवासी हटकाचारामा एवं उसकी सहयोगी तरुणा निषाद ने पुलिस विभाग में उच्च स्तर पर पहचान एवं पहुंच होने का विश्वास दिलाकर उसे आरक्षक भर्ती में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था।

आरोपियों द्वारा वर्ष 2024 की आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान नौकरी लगवाने का प्रलोभन देकर प्रार्थी से विभिन्न किश्तों में कुल 1,76,980 पैसे लिए। इसके बावजूद न तो नौकरी दिलाई गई और न ही राशि वापस की गई। बार बार कहने के बाद भी आरोपियों द्वारा लगातार टाला जा रहा था। जिसके बाद प्रार्थी ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले के तत्काल बाद ही पुलिस ने आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी और 24 घण्टे के अंदर ही आरोपी को खोज निकाला और उसे गिरफ्तार कर लिया।

प्रार्थी ने यह भी बताया कि कैलाश साहू एवं तरुणा निषाद द्वारा एकजुट एवं प्लान के तहत जिला कांकेर सहित अन्य जिलों के कई बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे भी बड़ी मात्रा में पैसे लिए हैं। मामला दर्ज होने के बाद थाना चारामा पुलिस एवं जिला साइबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम द्वारा आरोपी कैलाश साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कांकेर सहित अन्य जिलों के कई लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर बड़ी रकम लेकर ठगी करने की बात बताई। आरोपी ने यह भी बताया कि ठगी से मिले पैसे का उपयोग उसने कांकेर स्थित अपने कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं फर्नीचर खरीदने तथा अलबेलापारा कांकेर स्थित अपने मकान के निर्माण कार्य में लगा दिया है।

आरोपी कैलाश साहू 34 वर्ष निवासी हटकाचारामा, चौकी हल्बा, थाना चारामा के खिलाफ़ धारा 420, 34 भादवि, थाना कांकेर में धारा 420 भादवि, धारा 420, 419, 384, 365, 342, 120 बी, 457 भादवि, थाना कुरूद में मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी पास से 17 लाख की संपत्ति बरामद की गई है, जिसमें 43 इंच एलईडी टीवी 3 नग, कम्प्यूटर सेट 6 नग, मोबाइल फोन1 नग, सोफा सेट 2 नग, फ्रिज 1 नग, टेलीफोन सेट 4 नग, पैसे गिनने की मशीन 1 नग, मॉनिटर 3 नग, एसी 1 नग, वॉकी-टॉकी 2 नग, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (HHMD) 1 नग,सोने की अंगूठी 1 नग, चांदी की चेन1 नग व अन्य फर्नीचर सामग्री की कीमत 5 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त 72 कार्टून एग्रो प्लस जैविक खाद, जिसकी कीमत 12 लाख भी बरामद की गई है। कुल सामान लगभग 17 लाख की बताई जा रही है।

भाई को बंधक बनाकर युवती से सामूहिक दुष्कर्म, पुलिस हिरासत में तीन आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर-रामानुजगंज। जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। 19 वर्षीय युवती के साथ कथित तौर पर तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपियों ने पहले युवती के फुफेरे भाई को बंधक बनाया और फिर उसके सामने ही वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता अपने फुफेरे भाई के साथ गांव की ओर जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों ने दोनों को रास्ते में रोक लिया और जबरन कोटराही जंगल की ओर ले गए। वहां आरोपियों ने युवक के हाथ-पैर बांध दिए और युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि वारदात के दौरान एक आरोपी ने अपने एक अन्य साथी को भी मौके पर बुलाया, जिसके बाद उसने भी युवती के साथ दुष्कर्म किया।

घटना को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से मुक्त होने के बाद पीड़िता और उसका भाई थाने पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिलासपुर में महिला ने की आत्महत्या :साड़ी को बनाया फंदा, कमरे में लटक रही थी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में विवाहिता महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश कमरे में फंदे पर लटकती मिली है। खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र ग्राम मनवा की है।

पुलिस के अनुसार ग्राम मनवा निवासी गंगोत्री पटेल (30) पति महेश पटेल गृहणी थी। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात महिला घर का काम निपटाने के बाद कमरे में सोने चली गई। जब सुबह परिजन की नींद खुली, तब कमरे में उसकी लाश साड़ी के फंदे पर झूल रही थी।

इस घटना की जानकारी तत्काल पचपेड़ी पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और पीएम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है।

मायके और ससुरालवालों से पूछताछ कर रही पुलिस

प्रारंभिक जांच में महिला के आत्महत्या करने की बात सामने आई है, हालांकि इसके पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। रिश्तेदारों, आसपास के लोगों और मायके पक्ष के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

सरोना की शराब दुकान में 7 लाख की चोरी, लॉकर और सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर उखाड़कर ले गए बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के सरोना स्थित कंपोजिट विदेशी शराब दुकान से बदमाश करीब 7 लाख रुपए से भरा लॉकर ही उखाड़कर ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे पुलिस को कोई सुराग न मिल सके।

घटना आमानाका थाना क्षेत्र की है। रविवार सुबह दुकान संचालकों को चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, चोर दुकान में घुसे और वहां रखा कैश से भरा लॉकर

उखाड़कर ले गए। बताया जा रहा है कि लॉकर में करीब 7 लाख रुपए कैश रखे थे। वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है। चोरों ने पहचान छिपाने के लिए दुकान में लगे सीसीटीवी सिस्टम का डीवीआर भी निकाल लिया। इससे पुलिस को फुटेज के जरिए आरोपियों तक पहुंचने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और सड़कों पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी, डॉग स्क्वायड और अन्य जांच एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और दुकान प्रबंधन से जानकारी ली।

कैश की वास्तविक राशि, सुरक्षा व्यवस्था और चोरी के समय को लेकर जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि वारदात में पेशेवर चोरों का हाथ हो सकता है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

धान चोरी का 24 घंटे में खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के तिल्दा-नेवरा क्षेत्र स्थित कृष्णा राइस मिल में हुई धान चोरी की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गांधी चौक तिल्दा निवासी दीनानाथ अग्रवाल ने 13 जून 2026 को थाना तिल्दा-नेवरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12-13 जून की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने उनकी कृष्णा राइस मिल का ताला तोड़कर बड़ी मात्रा में धान चोरी कर लिया। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। सुरागों के आधार पर पुलिस ने परवाना देवार, जितेन्द्र निषाद, रजत वर्मा तथा सब्बी अग्रवाल उर्फ रमेश कुमार अग्रवाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुसि ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950